NAVBHARAT TIMES, Delhi, 8.12.2020
Page No. 13, Size:(17.93)cms X (9.13)cms.

तकनीक का कमाल | दिल्ली-वाराणसी हाई स्पीड रेल कॉरिडोर के लिए 13 से सर्वे, हेलीकॉप्टर पर लगाए गए हैं लेजर उपकरण

12 हफ्ते में ही हो जाएगा हाई स्पीड ट्रेन के लिए सर्वे

Veerendra.Kumar@timesgroup.com

■ **नई दिल्ली :** मुंबई ओर अहमदाबाद के बाद अब दिल्ली से वाराणसी के बीच हाई स्पीड ट्रेन चलाने की दिशा में काम शुरू हो गया है। इस कॉरिडोर पर 13 दिसंबर से हेलीकॉप्टर के जरिए लेजर उपकरण लगाकर सर्वे का काम शुरू होगा। यह सर्वे लाइट डिटेक्शन एंड रेजिंग सर्वे (लिडार) के जरिए किया जाएगा। रक्षा मंत्रालय ने हेलीकॉप्टर को उड़ान भरने के लिए मंजूरी दे दी है। हाई स्पीड ट्रेन शुरू होने से केवल 3 घंटे में पहुंचा जा सकेगा।

यह कॉरिडोर से दिल्ली के साथ साथ मथुरा, आगरा, इटावा, लखनऊ, रायबरेली, प्रयागराज, भदौही, वाराणसी और अयोध्या जैसे शहर जुड़ेंगे। साथ ही नोएडा जिले में प्रस्तावित जेवर एयरपोर्ट को भी यह कॉरिडोर कनेक्ट करेगा। कॉरिडोर के लिए लिडार तकनीक के जरिए सर्वे करने से सटीक सर्वेक्षण डेटा प्राप्त करने के लिए लेजर डेटा, जीपीएस डेटा, फ्लाइट, पैरामीटर और वास्तविक तस्वीरों का इस्तेमाल होता है। सर्वे से मिली जानकारी के आधार पर, संरचनाओं की डिजाइन, स्टेशनों एवं डिपो को बनाने के स्थान, कॉरिडोर के लिए जरूरी जमीन, परियोजना से प्रभावित होने वाली लैंड, संरचनाओं की पहचान आदि तय किए जाते हैं।

रक्षा मंत्रालय से हेलीकॉप्टर के उड़ान की मंजूरी मिल चुकी है

पहले भी हो चुका है प्रयोग : इस तकनीक का इस्तेमाल पहली बार मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल कॉरिडोर में किया गया था। सर्वे करने में केवल 12 हफ्ते लगे, जबकि परंपरागत तकनीक से सर्वे करने में 10-12 महीने का समय लगता है।

800 किमी कॉरिडोर की लंबाई

प्रस्तावित दिल्ली-वाराणसी हाई स्पीड कॉरिडोर पर घनी आबादी वाले शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों, हाइवे, सड़क, घाट, नदियां, हरे-भरे खेत आदि हैं, जिससे यहां सर्वेक्षण करना अधिक चुनौतीपूर्ण है। एनएचएसआरसीएल को रेल मंत्रालय द्वारा दिल्ली-वाराणसी एचएसआर कॉरिडोर की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने का काम सौंपा गया है। इस कॉरिडोर की लंबाई करीब 800 किलोमीटर है।